

गिलहरी में दिमाग होता है

गिलहरियों को हमेशा ऐसा महसूस होता है कि कोई उन्हें देख रहा है। यह बात तब उजागर होती है जब वे अपना बचा-खुचा भोजन छुपाती हैं। क्योंकि जब वे अपना भोजन छुपाती हैं तो कई बार सिर्फ छुपाने का नाटक करती हैं। ऐसा क्यों करती हैं वे?

गिलहरियां जब भी अपना भोजन छुपाती हैं, तो हर बार अलग-अलग जगहों पर गड्ढा खोदती हैं। मगर कई बार तो वे यह सब नाटक के तौर पर करती हैं। लगभग 20 प्रतिशत। यह कहना है माइकल स्टेली का।

गिलहरियां ज़मीन में गड्ढा खोदकर उसमें भोजन रखने के बाद गड्ढे को मिट्टी या पत्तों से ढक देती हैं। वे यह सब इसलिए करती हैं ताकि कहीं कोई उनका भोजन चुरा न ले।

रोचक बात यह है कि कई बार इन गड्ढों में कुछ भी नहीं होता है। यानी गिलहरी गड्ढा खोदती है, उसमें कुछ रखने का नाटक करती है, और उसे मिट्टी-पत्तों से ढक भी देती है।

गिलहरियां इस प्रकार की प्रक्रिया बेवकूफ बनाने के लिए करती हैं। स्टेली का विचार है कि गिलहरी को लगता है कि भोजन छुपाते समय कोई उन्हें देख लेगा। इसलिए वे देखने वाले का ध्यान बंटाने के लिए एक नहीं कई जगह भोजन छुपाने का नाटक करती हैं। इस प्रक्रिया को समझने

क्या गिलहरियों के पास सोचने की शक्ति और अस्तित्व का भान करने की दक्षता होती है। अवलोकनों से लगता है कि ऐसा है।



के लिए स्टेली और उनकी टीम ने गिलहरियों पर निगरानी करना शुरू की। उन्होंने बताया कि जब टीम के द्वारा गिलहरियों पर निगरानी की गई तब देखा कि गिलहरियों का यह खेल और अधिक बढ़ गया। वह शायद इसलिए क्योंकि उन्हें ऐसा लग रहा था कि कोई उन्हें देख रहा है और उनका भोजन चोरी हो जाएगा।

गिलहरियों पर शोध कर रही एक अन्य जीव वैज्ञानिक लिसा लीवर का कहना है कि इस अवलोकन से लगता है कि गिलहरियों के पास 'सोचने की शक्ति' और 'अस्तित्व का भान' करने की दक्षता होती है। वे कहती हैं कि यह कहना ज़ल्दबाजी होगी लेकिन ऐसा हो सकता है। (स्रोत फीचर्स)